अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

❖ **प्रथम अध्याय : जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व एंव कृतित्व** 1 - 16

1.1 जीवन परिचय

1.2 व्यक्तित्व के पहलु

1.3 कृतित्व

1.3.1 उपन्यास

1.3.2 कविता संग्रह

1.3.3 बाल उपन्यास

1.3.4 कहानी संग्रह

1.3.5 विचार प्रबंध / आलोचना

1.3.6 शोध-प्रबंध

1.3.7 संपादित पुस्तकें

1.3.8 बालसाहित्य

1.3.9 अनुवादित पुस्तक

1.3.10 प्रकाशाधीन पुस्तकें

1.3.11 पत्र - पत्रिकाओं से जुड़ाव

1.3.12 अन्य विवरण

1.3.13 फैलोशिप

1.3.14 पुरस्कार

1.3.15 सम्मान

निष्कर्ष

❖ **द्वितीय अध्याय : हिंदी कविता में दलित जीवन की संकल्पना 17- 48**

2.1 'दलित' शब्द की संकल्पना और परिभाषा

2.1.1 'दलित' शब्द की परिभाषा

2.1.2 'दलित' सीमित अर्थ में

2.1.3 'दलित' व्यापक अर्थ में

2.2 दलितों की वर्तमान स्थिति

2.3 डॉ.अम्बेडकर जी के दलितों के विभिन्न पहलुओं पर विचार

2.3.1 डॉ.अम्बेडकरजी के सामाजिक विचार

2.3.2 डॉ.अम्बेडकरजी के राजनैतिक विचार

2.3.3 डॉ.अम्बेडकरजी के धार्मिक विचार

2.3.4 डॉ.अम्बेडकरजी के शैक्षणिक विचार

2.4 भारतीय संविधान और समाज में दलित जीवन

2.5 हिंदी दलित कविता का आरम्भ

निष्कर्ष

❖ **तृतीय अध्याय : जयप्रकाश कर्दम के काव्य में दलित जीवन 49 - 82**

3.1 कविता संग्रह - गूंगा नहीं था मैं

3.1.1 किले

3.1.2 आरक्षण

3.1.3 तुमने कहा

3.1.4 वर्णवाद का पहाड़ा

3.1.5 दासता

3.1.6 बेमानी है आजादी

3.1.7 मेरी चाह

3.1.8 अस्वीकृति

3.1.9 शुक्र है तू नहीं है

3.1.10 दमन की दहलीज पर

3.1.11 गूंगा नहीं था मैं

3.1.12 अक्करमाशी

3.1.13 मेरे अधिकार कहां है ?

3.1.14 लाठी

3.1.15 कलिया की मौत

3.1.16 अम्बेडकर की संतान

3.1.17 आज के रैदास

3.1.18 लालटेन

3.1.19 ओ नए साल

3.1.20 धर्मग्रन्थों को आग लगानी होगी

3.2 कविता संग्रह- तिनका तिनका आग

3.2.1 अप्प दिपो भव

3.2.2 अस्मिता

3.2.3 संदेश

3.2.4 दरिया

3.2.5 तिनका- तिनका आग

3.2.6 संघर्ष

3.2.7 क्रांति का बिगुल बजा दो

3.2.8 हलचल

3.2.9 वे महान है

3.2.10 भारत

3.2.11 भगवान मत बनाओं

3.2.12 जन की भाषा में

3.2.13 जाति का व्याकरण

3.2.14 बौने

3.2.15 कलम

3.2.16 घुप्प अंधेरा देखा

3.2.17 सो मत देना

3.2.18 स्वाभिमान के पथ पर

3.2.19 एक बार फिर आओ

3.2.20 विहान

3.2.21 बाँध

3.2.22 विषमता की नदी

3.2.23 भारतीय चिंतन की गाड़ी

3.2.24 मैं बनारस जाऊंगा

3.2.25 मनुष्यता

3.2.26 अदालत

3.2.27 आधी दुनिया की आवाज

3.2.28 भूख

निष्कर्ष

❖ **चतुर्थ अध्याय : जयप्रकाश के काव्य में चित्रित दलित जीवन की समस्याएँ** **83 - 140**

4.1 समस्या : स्वरूप तथा अर्थ

4.1.1 समस्या का अर्थ

4.1.2 समस्या की परिभाषा

4. 2 जयप्रकाश कर्दम के काव्य में दलित जीवन की समस्याएँ

4.2.1 जातीयता की समस्या

4.2.2 बाढ़ की समस्या

4.2.3 अशिक्षा की समस्या

4.2.4 शोषण की समस्या

4.2.4.1 यौन शोषण की समस्या

4.2.4.2 मजदूरों का शोषण

4.2.4.3 साहूकार द्वारा शोषण

4.2.5 दहेज की समस्या

4.2.6 नारी जीवन की समस्या

4.2.7 भ्रष्टाचार की समस्या

4.2.8 पारंपारिक व्यवसाय करने की समस्या

4.2.9 गैर-जिम्मेदारी की समस्या (वृद्धावस्था की समस्या)

4.2.10 अंधविश्वास की समस्या

4.2.11 सांप्रदायिकता की समस्या

4.2.12 भूख की समस्या

4.2.13 आर्थिक समस्या

निष्कर्ष

उपसंहार 141 - 150

संदर्भ ग्रंथ सूची 151 - 155